यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2018

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग -7

नाम.. पिता/पति का नाम..

शहर का नाम.......................... जन्मतिथि.................. मोबाइल..................... रोल नं ....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1- lerk lLdkj ikB'kkyk d fo|kFkhZ gks A ¼ ½
2- 97 vad ,oa lkekf;d djus okys 3 vad çkIr dj ldrs gSA ¼ ½

प्रश्न 1. शब्दार्थ लिखिए- **10**

1. सहसंबुद्धो .... 2. चइऊण ....
3. णिसामिता .... 4. ओरोहं ....
5. भयवं .... 6. विप्पमुक्कस्स......................................
7. मिहिलाए .... 8. तवसंवर ....
9. पासाए .... 10. णाणमंति ....
11. अप्पाणं .... 12. भोइत्ता ....
13. जुज्झाहि .... 14. कुसग्गेणं ....
15. अदिंतस्स .... 16. लुद्धस्स ....
17. सल्लं .... 18. विउत्विऊण ....
19. पयाहिणं .... 20. पत्थेसि ....

प्रश्न 2. निम्न गाथाओं को पूर्ण करो- **20**

1. काम भोग..समान।
....खान।।

2. पान खरंतो.....

अब के ..... जाय।

3. ममता.....हो,

.....भरपूर हो।

4. इस देह .....

भव दुःख.....सदुपाय से।

5. जो मोक्ष.....बड़ा

जो .....खड़ा।

6. संसार .....चले

.....टले।

7. व्यक्ति .....माने

.....पहचाने

8. संघ .....हमको,.....

संघ .....

9. .....आज्ञा.....कोई है।

शास्त्र-शास्त्र .....

10. मानव जीवन .....

लक्ष चौरासी .....

11. अर्न्तदृष्टा .....

.....दुशाला।

12. णमी .....सक्खं.....

.....पज्जुवट्टिओ ।

13. अहो ते .....मद्दवं ।

.....उत्तमा ।

14. मासे मासे .....

.....सोलसि ।

15. जो सहस्सं .....

एगं .....जओ।

16. असइं.....पउंजई।

.....जणो।

17. तवणारायजुत्तेणं.....

मुणी.....।।

18. सुहं.....

.....किंचणं।।

19. वाएण.....

दुहिया.....खगा

20. सो.....

भुंजित्तु.....

प्रश्न 3. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए **15**

1. नमिराजा प्रतिबुद्ध कैसे हुए ?

.....

.....

2. श्रद्धा रूप नगर के 5 द्वार कैसे है ? लिखो।

.....

.....

3. सच्चा वीर कौन है ?

.....

.....

4. इच्छा की निवृत्ति कैसे होती है ?

.....

.....

5. आरंभी किसे कहते हैं ?

.....

.....

6. ईर्यासमिति का आलंबन क्या है लिखो ।

.....

.....

7. यावदर्थिक क्या है ?

.....

.....

8. आहार करने के दो कारण लिखो –

.....

.....

9. कुष्ठरोग से पीड़ित मुनि की चिकित्सा के लिए कितनी वस्तु की आवश्यकता थी ?

.....

.....

10. बाहुबली भगवान आदिनाथ के चरणों में क्यों नही गये ?

.....

.....

11. रानी अभया ने सुदर्शन के लिए क्या दूसरा प्रपंच रचा ?

.....

.....

12. माता ने कपिल से क्या कहा ?

.....

.....

13. विनय समाधि के दो भेद लिखो।

.....

.....

14. क्षमाधारी कैसा होता है ?

.....

.....

15. महात्मा बुद्ध ने क्षमा के विषय में क्या कहा ?

.....

.....

प्रश्न 4. परिभाषा लिखिए **10**

1. परारम्भी.....

.....

2. औपग्रहिकोपधि.....

.....

3. असत्यमृषा मनोयोग.....

.....

4. आच्छोध.....

.....

5. पिहित.....

.....

6. अवगाह.....

.....

7. समाधि.....

.....

8. मौखर्य.....

.....

9. फूमित व्यंजित.....

.....

10. चिकित्सा.....

.....

प्रश्न 5. खाली स्थान भरिए **15**

1. भयवं अंतेउरं तेणं,.....णावपेक्खह।

2. उस्सूलग सयग्धीओ तओ.....।

3. .....तव्थ कुविज्ज सासयं ।

4. मनुष्य गति से आये हुए जीव में .....अधिक होती है।

5. तेजो लेश्या के .....दण्डक है।

6. आरोग्य के प्रतिकूल आसन से बैठना .....हैं।

7. .....दोष टालकर निर्दोष और परिमित भिक्षादि ग्रहण करना एषणा समिति हैं।

8. लेप आदि के द्वारा बंद की गई वस्तु के लेपादि खोलकर देना.....है।

9. गोचरी के मार्ग में बैठे हुए.....को लांघकर घर में प्रवेश करना एलग है।

10. सूर्योदय से पूर्व आहार ग्रहण कर सूर्योदय के बाद आहार करता है वह .....है।

11. .....कषायों के विवश या दुष्टधि होकर अहो।

12. सूत्र .....में संघ गौरव की, क्या कोई हैं कम महिमा।

13. रामगुरु आगम के ज्ञाता.....से जिनका नाता।

14. .....की ममता छोड़े तो जीव का परम कल्याण होता है।

15. शक्ति होते हुए भी क्षमा करें जीव का परम कल्याण होता हैं यह बोल.....का है।

प्रश्न 6. सही व गलत बताइये। **10**

1. उग्र तप करने से जीव का परम कल्याण .....यह बोल धन्नामुनि का हैं। ( )

2. कर्म निर्जरा के अतिरिक्त और सभी उद्धेश्य के लिए तपस्या करे। ( )

3. अशुभ परिणाम रोके तो जीव का .....यह बोल पांच पांडव का है। ( )

4. कैवल्य से यह हृदय भर, अज्ञान-तम मेरा हरें। ( )

5. नाम अमर उन वीरों का, जिसने देश सेवाधारी। ( )

6. कपिल ने आत्म जागरण को प्राप्त किया। ( )

7. ओघ संज्ञा ज्ञानावरण के क्षयोपशम भाव से होती है। ( )

8. साधु के लिए खरीद कर देना प्रामित्य हैं। ( )

9. सारी पृथ्वी किसी एक व्यक्ति को दे दी जाय तो उसकी इच्छा पूर्ण नहीं होती है। ( )

10. आगम भक्ति करे तो जीव का.....यह बोल आचार्य रामेश का हैं। ( )

प्रश्न 7. किसने किससे कहा। **7**

1. ''कंकणो की आवाज क्यों नहीं सुनाई दे रही है ?

.....

2. मेरा गन्तव्य शाश्वत स्थान तो मुक्ति हैं।

.....

3. तुम जगत प्रसिद्ध वैद्यराज के पुत्र हो, स्वयं महान वैद्यराज भी हो,

.....

4. मैं पूज्य पिताजी की भांति साधनामय जीवन बिताना चाहती हूँ

.....

5. ''क्या मोम के दांतो से लोहे के चने चबाये जा सकेगें ?

.....

6. मुझे जो पाना था, मैंने पा लिया हैं।

.....

7. मुझे आश्चर्य होता है कि आपने प्रबल क्रोध को जीत लिया है ।

.....

प्रश्न 8. सही जोड़ी बनाइये- **10**

1. नमिराजर्षि	धूम	.....
2. उत्पादन का दोष	केशीश्रमण	.....
3. 2 कोष	पदम्	.....
4. भरत	शैलकराजर्षि	.....
5. युगबाहु	प्रत्येक बुद्ध	.....
6. विषय वियज	7 किलोमीटर	.....
7. अप्रमादी	जिनपाल	.....
8. संघ	मणिरथ	.....
9. परिभौगेषणा	महीधर	.....
10. धर्मचर्चा	योग	.....